(1) Date: __.__.__

प्रकृतिवाद और शिक्षा
[Naturalism]

Naturalism = Natural + ism

Natural ↓ प्रकृति से सम्बन्धित; ism ↓ सिद्धान्त + प्रणाली + वाद

प्रकृतिवाद पाश्चात्य दार्शनिक चिन्तनधारा की वह विचारधारा है जो प्रकृति को मूल तत्व मानती है, इसी को इस ब्रह्माण्ड का कर्ता और उपादान कारण मानती है।

यह विचारधारा केवल भौतिक ब्रह्माण्ड में आस्था रखती है और प्रकृति को सर्वोत्तम सत्ता के रूप में स्वीकार करता है। अध्यात्म को किसी भी प्रकार कोई महत्व नहीं देता।

प्रकृतिवाद का अर्थ → प्रकृतिवाद शब्द में 'प्रकृति' शब्द का दो अर्थों में प्रयोग किया गया है—

(1) भौतिक प्रकृति – (वाह्य प्रकृति)

(2) बालक की प्रकृति – (मूल प्रवृत्तियाँ, क्षमतायें)

परिभाषा →

जेम्स वार्ड के अनुसार → प्रकृतिवाद वह सिद्धान्त है जो प्रकृति को ईश्वर से पृथक करता है। आत्मा को पदार्थ के अधीन करता है और अपरिवर्तनीय नियमों को सर्वोच्यता प्रदान करता है।

Scanned with CamScanner

Date:

व्राइस → प्रकृतिवाद एक प्रणाली है जिसकी प्रमुख विशेषता आध्यात्मिकता का विरोध / बहिष्कार करना है।

विशेषतायें →

(1) प्रकृतिवाद प्रकृति को सर्वोपरि मानता है। ईश्वर आत्मा आदि की सत्ता नहीं मानता है।

(2) संसार की उत्पत्ति प्रकृति से हुई है और अन्त में सभी कुछ प्रकृति में ही विलीन हो जाता है।

(3) यह संसार भौतिक है तथा आध्यात्मिकता का विरोध करता है।

(4) आत्मा को पदार्थ के अधिन स्वीकार करता है।

(5) सत्य ज्ञान का अनुभव एवं बोध प्राप्त करने में इन्द्रियों का अतिशय महत्व है।

शिक्षा का अर्थ → प्रकृतिवादी दर्शन ने शिक्षा के विविध पहलुओं को नवीनता प्रदान किया है। इनके अनुसार वास्तविक शिक्षा वह है जो मनुष्य को उसकी प्रकृति के अनुकूल का विकास करने एवं जीवन को सुखमय बनाने में सहायता करती है।

प्रकृतिवादी विचारक पुस्तकीय ज्ञान को शिक्षा नहीं मानते। ये शिक्षा को स्वभाविक विकास की प्रक्रिया मानते हैं।

Scanned with CamScanner

③

Date:

"शिक्षा का अर्थ अन्तः शक्तियों का बाह्य जीवन से समन्वय स्थापित करना है।" —Herbert Spencer

"सच्ची शिक्षा वह है, जो व्यक्ति के अन्दर से प्रस्फुटित होती है। यह इसकी अन्तर्निहित शक्तियों की अभिव्यक्ति है।" Rousseau – (रूसो)

प्रकृतिवादी शिक्षा दार्शनिक – रूसो, बेकन, ~~[illegible]~~ स्पेन्सर, कमेनियस

प्रकृतिवादी शिक्षा की विशेषताएं →

① बाल केन्द्रित शिक्षा
② प्रकृति का अनुसरण
③ पुस्तकीय ज्ञान का विरोध
④ निषेधात्मक शिक्षा
⑤ इन्द्रिय प्रशिक्षण पर बल
⑥ मनोवैज्ञानिक सिद्धान्तों पर आधारित शिक्षा
⑦ बालक की स्वतन्त्रता
⑧ प्रगतिशीलता
⑨ सदाशिक्षा पर बल

→ निषेधात्मक शिक्षा → रूसो विद्यालय शिक्षा के विरुद्ध थे और निषेधात्मक शिक्षा को उपयुक्त मानते थे।

रूसो के अनुसार → "प्रचलित व्यवहार से बिल्कुल उल्टा करो और तुम सदैव ठीक करोगे।"

Date:

शिक्षा के उद्देश्य →

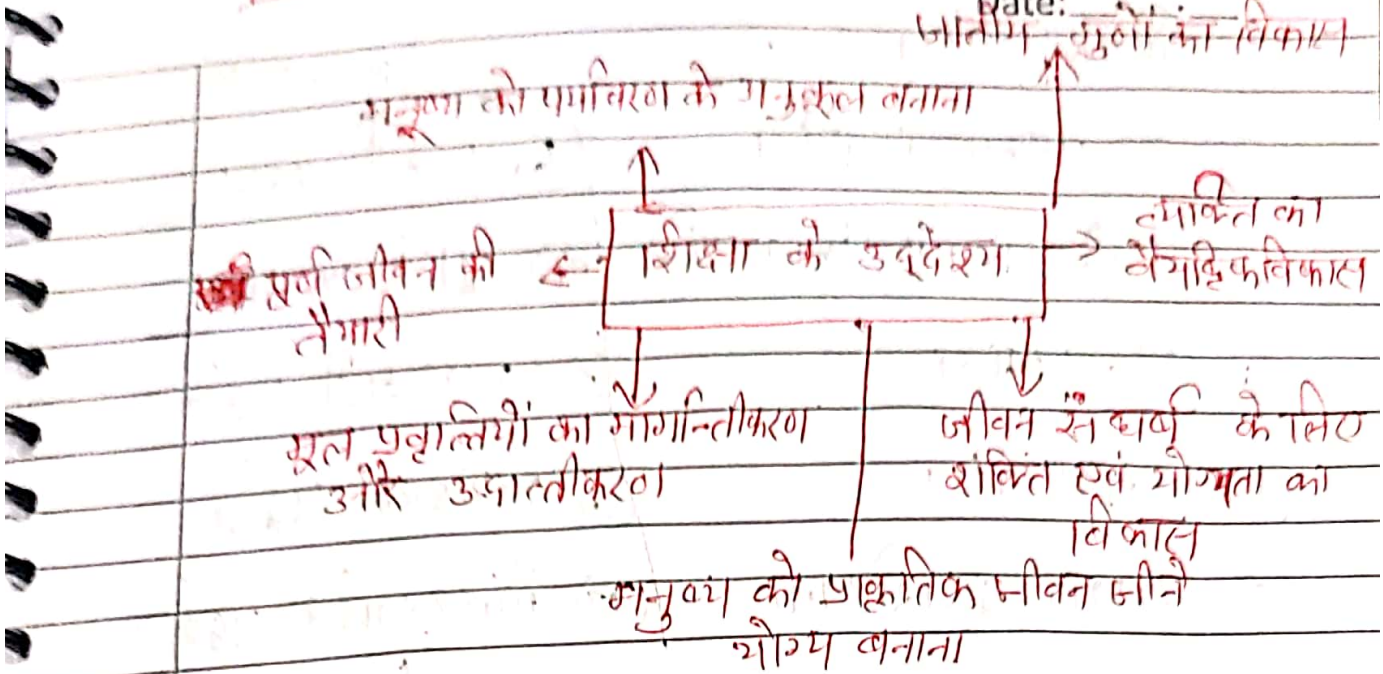

प्रकृतिवाद तथा पाठ्यक्रम → उद्देश्यों के अनुकूल ही प्रकृतिवादियों ने पाठ्यचर्या का निर्माण किया है। ये शिक्षार्थी को पाठ्यक्रम का आधार मानते हैं।

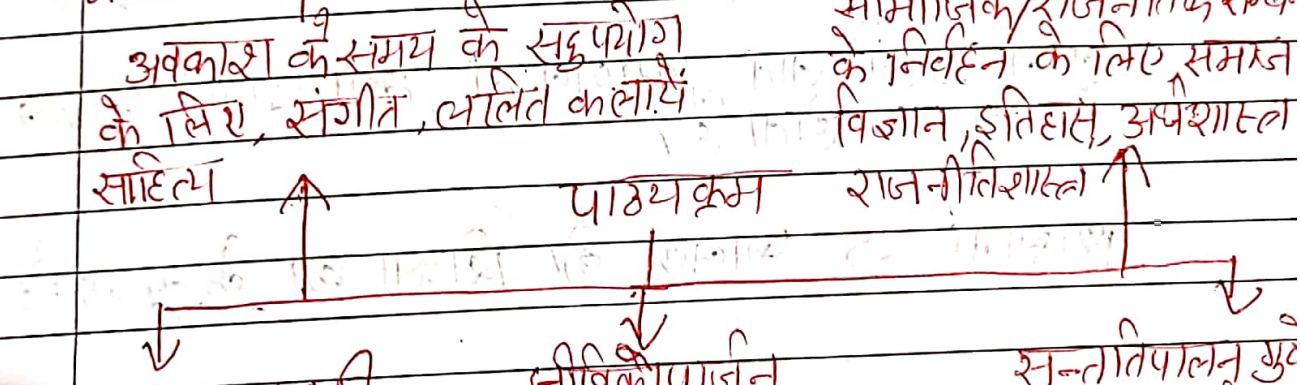

Scanned with CamScanner

Date:

शिक्षण विधि →

1. स्व अधिगम विधि
2. करके सीखना / क्रिया विधि
3. खेल विधि
4. भ्रमण विधि
5. अनुभव द्वारा सीखना

प्रयोगशाला विधि

6. डाल्टन पद्धति
7. हरबर्टियन पद्धति
8. मान्टेसरी पद्धति
9. निरीक्षण पद्धति
10. किंडरगार्डन पद्धति, बच्चों का बगीचा

शिक्षक — शिक्षक को महत्व नहीं।

इनके अनुसार शिक्षक, निरीक्षणकर्ता, पथप्रदर्शक, बाल प्रकृतिज्ञात या भ्रमणकर्ता, तथा प्रायोगिक ज्ञान से भिन्न होता है।

शिक्षार्थी → बालक को शिक्षा का केन्द्र मानते हैं।

अनुशासन - दमनात्मक अनुशासन का विरोध करता है तथा मुक्तयात्मक अनुशासन की बात करता है।

विद्यालय → प्रकृति के अनुकूल होना चाहिए।

Scanned with CamScanner